बुद्धि से पैसा कमाया जा सकता है, मगर पैसे से बुद्धि नहीं।

भोजन की भूख नहीं लगती तो समझो तन रोगी है,भजन की भूख नहीं लगती तो समझो मन रोगी है।

झुकना बहुत अच्छी बात है,नम्रता की पहचान होती है,

मगर आत्मसम्मान को खोकर झुकना खुद को खोने जैसा है।

समझदारी की बाते सिर्फ दो ही लोग करते हैं, एक वो जिनकी उम्र अधिक है और दूसरे वो जिसने कम उम्र में बहुत सी ठोकरें खाई हैं।

शिक्षा से पहले संस्कार, व्यापार से पहले व्यहार और

भगवान से पहले माता पिता को पहचानना जीवन की अधिकतर कठिनाईयों को हल कर देता है।

पानी में गिरने से किसी की मृत्यु नहीं होती,

मृत्यु तभी होती है जब तैरना नहीं आता।

परिस्थितियां कभी समस्या नहीं बनती,

समस्या तभी बनती हैं जब उनसे निपटना नहीं आता।

अगर आप कुछ सीखने की इच्छा रखते है,

या घर से बाहर कुछ सिखने के लिए जाते है,

तो अपना क्रोध घर पर छोड़ कर जाओ

क्योंकि कोध्र दिखाने में तो कुछ पल लगते है।

परंतु उसका नुकसान जीवन भर का हो जाता है।

सफलता आपके हालत देखकर नहीं, आपकी मेहनत देखकर आएगी।

हर किसी को अच्छा समझना छोड़ दो,

क्योंकि अंदर से लोग वो नहीं होते जो,

ऊपर से दिखाई देते हैं।

इंसान अपना घमंड अच्छे वक्त में दिखाता है,

लेकिन उसका परिणाम उसके बुरे वक्त में दिखता हैं।

जो बुरे वक्त में आपको आपकी कमियां गिनाने लग जाए उससे

ज्यादा मतलबी इंसान कोई हो ही नहीं सकता।

अगर किसी मित्र को अपने रहस्यों के बारे में बताओगे,

तो अवश्य ही आगे चलकर उसके द्वारा नियंत्रित किए जाओगे।

गुरु केवल आपको शिक्षा दे सकता है।

उसका उपयोग कैसे करना है ये आपके ऊपर निर्भर करता है।

जिन लोगों को पढ़ने की आदत है

वो अपनी जिंदगी में कभी अकेले नहीं हो सकते।

जहा तक दिखाई दे रहा है वहाँ तक पहुँचिए,

जब आप वहाँ पहुँच जाएंगे तब आप और आगे देख पाएँगे।

ज़िन्दगी कठिन तब लगती है

जब हम खुद में बदलाव लाने के बजाए

परिस्थितियों को बदलने का प्रयास करतें हैं।

जहा आदर नहीं वहाँ जाना मत,

जो सुनता नहीं उसे समझाना मत,

जो पचता नहीं उसे खाना मत,

और जो सत्य पर भी रूठे,

उसे मनाना मत।

किसी को कभी सत्य बोलने से भयभीत नहीं होना चाहिए,

फिर चाहे वो सत्य उनका साथ दे या न दे।

जित निश्चत हो तो अर्जुन

कोई भी बन सकता है,

परन्तु जब मृत्यु निश्चित हो तो

अभिमन्यु बनने के लिए साहस चाहिए।

खुद को खोजिए, नहीं तो जीवन भर आपको दूसरो की राय पर निर्भर रहना पड़ेगा।

एक व्यक्ति को शस्त्र और शास्त्र शिक्षा दोनों सीखनी चाहिए क् योंकि इन दोनों शिक्षाओं के दम पर ही एक व्यक्ति अपनी जिंदगी को बचा कर रख सकता है।

भगवान सभी को एक ही मिट्टी से बनाता है, बस फर्क इतना सा ही है, कोई बहार से खूबसूरत है तो कोई भीतर से

जीवन में अगर कोई सबसे सही रास्ता दिखने वाला मित्र है, वो है अनुभव

अच्छे समय से ज्यादा अच्छे इंसान के साथ रिश्ता रखो,अच्छा इंसान अच्छा समय ला सकता है, लेकिन अच्छा समय अच्छा इंसान नहीं ला सकता।

क्रोध में बोला वह कठोर शब्द इतना जहरीला

हो सकता है कि आपकी हजार

प्यारी बातों को एक मिनट में नष्ट कर सकता है।

सुख चाहते हो तो देर रात तक जागना नहीं, शांति चाहते हो तो दिन में सोना नहीं, सम्मान चाहते हो तो व्यर्थ बोलना नहीं, और प्रेम चाहते हो तो अपनों को छोड़ना नहीं।

सही समय की प्रतीक्षा करके खुद को मुर्ख मत बनाइये क्योंकि सही समय तभी आएगा जब उसे सही बनाने के लिए आप प्रयत्न करेंगे।

शिक्षक और सड़क दोनों एक जैसे होते हैं, खुद जहाँ हैं वहीं पर रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते है।

भीड़ से सदैव सर्तक रहना, क्योंकि यह भीड़ ही है जिसने कई

लोगो की सकारात्मक दृष्टिकोण को नष्ट कर दिया है।

कोई कुछ भी बोले अपने आप को शांत रखना, क्योंकि धूप कितनी भी तेज हो समंदर को सूखा नहीं सकती।

औरों के जोर पर अगर उड़कर दिखाओगे तो अपने पैरों से उड़ने का हुनर भूल जाओगे।

अकेलापन कई कष्ट नहीं बस एक अवसर है, बिना रुकावट एक दिशा में सदैव बढ़ते रहने का।

जो आपका गुस्सा सहन करके भी आपका साथ दे, उससे ज्यादा प्यार आपको कोई नहीं कर सकता।

अगर जिंदगी में कोई बड़ा कदम लेने जा रहे हो तो ये ध्यान रखना की आपका अगला कदम पिछले से बेहतरीन हो।

आँख में पड़ा हुआ तिनका, पैर में चुभा हुआ काँटा और रुई में दबी हुई आग से भी ज्यादा भयानक है हृदय में छुपा हुआ कपट।

प्रेम और आस्था दोनों पर ही किसी का जोर नहीं है, ये मन जहाँ लग जाए वहीं पर भगवान नज़र आता है।

जब कोई आपसे नफरत करने लग जाए, तो समझ लेना वह आपका मुकाबला नहीं कर सकता।

खून का सिर्फ सम्बन्ध बना सकता है परन्तु एक सच्चा परिवार

बनाने की शक्ति एक दूसरे के प्रति ईमानदारी ही होती है।

साहस का अर्थ यह नहीं होता की आप डरते नहीं हैं, साहस का अर्थ यह होता है की आप डर की वजह से रुकते नहीं हैं।

दुनिया में कोई भी चीज कितनी

भी कीमती क् यों न हो,

पर भगवान ने आपको जो

नींद, शांति और आनंद दिया है,

उससे कीमती चीज और कोई भी नहीं है।

गुणहीन व्यक्ति की सुंदरता व्यर्थ है, दृष्ट स्वभाव वाले व्यक्ति का अच्छे कुल का होना व्यर्थ है, यदि लक्ष्य की प्राप्ति न हो तो शिक्षा व्यर्थ है, और जिस धन का सदुपयोग न हो वह धन व्यर्थ है।

किसी को ज्ञान उतना ही दो जितना वो समझ सके, क्यूंकि बाल्टी भरने के बाद नल ना बंद करने से पानी व्यर्थ हो जाता है।
गलत दिशा में बढ़ रही भीड़ का हिस्सा बनने से अच्छा है, सही दिशा में अकेले चले जाओ।

इंतजार मत करो वक्त बदलेगा,

क्योंकि इंतज़ार करने से कुछ नहीं होता,

मेहनती लोग अपने वक़्त

को खुद बदला करते हैं।

काटो से और दुष्ट लोगों से बचने का उपाय

पैर में जूते पहनो और उन्हें इतना शर्मसार करो की

वो अपना सर उठा ना सके और आपसे दूर रहे।

जीवन में बहुत ज्यादा रिश्ते होना जरुरी नहीं है,

पर जो रिश्ते हैं उनमें जीवन

और जीवंन्तता होना बहुत जरुरी है।

मुँह पर कड़वा बोलने वाले

लोग कभी धोखा नाहीं देते,

डरना तो मीठा बोलने वालों से चाहिए।

याद रखना जिस भी लक्ष्य को

आप लगातार अपने दिमाग में रखते हैं

उसे आप जरूर पा लेते हैं।

इतनी जल्दी दुनिया की

कोई चीज नहीं बदलती

जितनी जल्दी इंसान की नियत और

नज़रें बदल जाती हैं।

अपने ही विचारों से बचना है

आपको क्योंकि विचारों में

नाकारात्मकता आपकी इच्छाशक्ति

को खंडित कर देगी।

जीवन और चुनौतियाँ हर किसी

के हिस्से में नहीं आतीं, क्योंकि

किस्मत भी किस्मत वालों को आजमाती है।

हर ताज़ सिर के लिए होता है,

लेकिन हर सिर ताज़ के लिए नहीं होता,

उसको इसके लायक बनना पड़ता है।

क्रोध अकेला आता है

मगर हमसे सारी अच्छाई ले जाता है

और सब्र भी अकेला आता है

मगर हमें सारी अच्छाई दे जाता है।

पिता से बड़ा कोई सलाहकार नहीं

माँ की छाँव से बड़ी दुनियाँ नहीं,

भाई से अच्छा कोई भागीदार नहीं

बहन से बड़ी कोई शुभचितक नहीं।

जो बीत गया सो बीत गया

यदि हमसे कोई गलत काम हो गया है

तो उसकी चिंता न करते हुए वर्तमान को

सुधारकर भविष्य को संवारना चाहिए।

अभिमान को आने मत दो

और स्वाभिमान को जाने मत दो

क्योंकि अभिमान तुम्हें उठने नहीं देगा

और स्वाभिमान कभी गिरने नहीं देगा।

कोई हमारी गलतियाँ निकालता है

तो हमें खुश होना चाहिए क्योंकि

कोई तो है जो हमें पूर्ण दोष रहित

बनाने के लिए अपना दिमाग और

समय दे रहा है।

जो आपके का रहकर छल करे,

धोका दें,चगली करे,आपकी

कही बातों को दूसरे के सामने

गलत तरीके से रखे ऐसे व्यक्ति

का साथ छोड़ देना ही उचित है।

खुद को बदलने का आसान तरीका है स्वीकारना,

जिस समय हम गलतियों को स्वीकार लेते हैं,

उसी समय परिवर्तन प्रारम्भ हो जाता है।

भविष्य में आने वाली मुसीबतो के लिए धन एकत्रित करें। ऐसा ना सोचें की धनवान व्यक्ति को मुसीबत कैसी? जब धन साथ छोड़ता है तो संगठित धन भी तेजी से घटने लगता है।

अगर हो सके तो विष मे से भी अमृत निकाल लें, यदि सोना गन्दगी में भी पड़ा हो तो उसे उठाये, धोएं और अपनाये, निचले कुल मे जन्म लेने वाले से भी सर्वोत्तम ज्ञान ग्रहण करें, उसी तरह यदि कोई बदनाम घर की कन्या भी महान गुणो से संपनन है और आपको कोई सीख देती है तो गहण करे.

पुत्र वही है जो पिता का कहना मानता हो, पिता वही है जो पुत्रों का पालन-पोषण करे, मित्र वही है जिस पर आप विश्वास कर सकते हों और पत्नी वही है जिससे सुख प्राप्त हो।

एक बुरे मित्र पर तो कभी विश्वास ना करे। एक अच्छे मित्र पर भी विश्वास ना करें। क्यूंकि यदि ऐसे लोग आपसे रुष्ट होते है तो आप के सभी राज से पर्दा खोल देंगे।

लाड-प्यार से बच्चों मे गलत आदते ढलती है, उन्हें कड़ी शिक्षा देने से वे अच्छी आदते सीखते है, इसलिए बच्चों को जरुरत पड़ने पर दण्डित करें, ज्यादा लाड ना करें।

आत्याधिक सुन्दरता के कारन सीताहरण हुआ, अत्यंत घमंड के कारन रावन का अंत हुआ, अत्यधिक दान देने के कारन रजा बाली को बंधन में बंधना पड़ा, अतः सर्वत्र अति को त्यागना चाहिए।

मुर्ख को लगता है की वह हसीन लड़की उसे प्यार करती है. वह उसका गुलाम बन जाता है और उसके इशारो पर नाचता है।

बेइज्जत होकर जीने से अच्छा है की मर जाए। मरने में एक क्षण का दुःख होता है पर बेइज्जत होकर जीने में हर रोज दुःख उठाना पड़ता है।

यदि हम किसीसे कुछ पाना चाहते है, तो उससे ऐसे शब्द बोले जिससे वह प्रसन्न हो जाए। उसी प्रकार जैसे एक शिकारी मधुर गीत गाता है जब वह हिरन पर बाण चलाना चाहता है।

सत्य मेरी माता है। अध्यात्मिक ज्ञान मेरा पिता है। धर्माचरण मेरा बंधू है. दया मेरा मित्र है. भीतर की शांति मेरी पत्नी है. क्षमा मेरा पुत्र है। मेरे परिवार में ये छह लोग है।

एक विद्वान व्यक्ति ने अपने भोजन की चिंता नहीं करनी चाहिए। उसे सिर्फ अपने धर्म को निभाने की चिंता होनी चाहिए। हर व्यक्ति का भोजन पर जन्म से ही अधिकार है।

हाथी का शरीर कितना विशाल है लेकिन एक छोटे से अंकुश से नियंत्रित हो जाता है. एक दिया घने अन्धकार का नाश करता है, क्या अँधेरे से दिया बड़ा है। एक कड़कती हुई बिजली एक पहाड़ को तोड़ देती है, क्या बिजली पहाड़ जितनी विशाल है। जी नहीं। बिलकुल नहीं। वही बड़ा है जिसकी शक्ति छा जाती है। इससे कोई फरक नहीं पड़ता की आकार कितना है।

बेहतरीन इंसान अपनी मीठी बातों से ही जाना जाता है,

वरना अच्छी बातें तो दीवारों पे भी लिखी होती हैं।

दुनिया में सबसे आसान काम है विश्वास खोना, कठिन काम है विश्वास पाना और उससे भी कठिन काम है विश्वास को बनाए रखना।

मनुष्य अब व्याहारिक नहीं, बल्कि व्यावसायिक हो चुका है, संबंध सिर्फ उनसे ही मधुर हैं जिनसे लाभ अधिक है।

जिस बात से डर लगता है

उस क्षेत्र में अपना ज्ञान आरम्भ कर दो,

डर अपने आप भाग जाएगा

क्योंकि डर सदैव अज्ञानता से ही उपजता है।

असफलता के समय आँसू पोंछनेवाली

वह एक उंगली उन दस उंगलियों से

अधिक महत्त्वपूर्ण है,

जो सफलता के समय एक साथ ताली बजाती हैं।

संच्चों प्रयास कभी निष्फल नहीं होता,

लंबी छलांगों से कहीं बेहतर है,

निरंतर बढ़ते कदम जो आपको अपनी

मंजिल तक लेकर जाएंगे।

जीवन में ऊँचे उठते समय लोगों से अच्छा व्यवहार करें,

कभी आप नीचे आये तो सामना इन्हीं लोगों से करना होगा। भविष्य में आने वाली मुसीबतो के लिए धन एकत्रित करें। ऐसा ना सोचें की धनवान व्यक्ति को मुसीबत कैसी? जब धन साथ छोड़ता है तो संगठित धन भी तेजी से घटने लगता है।

जब आपका शरीर स्वस्थ है और आपके नियंत्रण में है उसी समय आत्मसाक्षात्कार का उपाय कर लेना चाहिए क्योंकि मृत्यु हो जाने के बाद कोई कुछ नहीं कर सकता है।